



Storybooks Mauritius

global-asp.github.io/storybooks-mauritius

अनांसी और ज्ञान / Anansi and Wisdom

Written by: Ghanaian folktales

Illustrated by: Wiehan de Jager

Translated by: Tanvi Sirari (hi)

This story originates from the African Storybook (africanstorybook.org) and is brought to you by Storybooks Mauritius in an effort to provide children's stories in Mauritius's many languages.



This work is licensed under a Creative Commons

[Attribution 3.0 International License.](https://creativecommons.org/licenses/by/3.0)

<https://creativecommons.org/licenses/by/3.0>

अनांसी और ज्ञान

Anansi and Wisdom



Ghanaian folktales ✎

Wiehan de Jager 🗣️

Tanvi Sirari 📄

Hindi / English 💬

Level 3 📊





बहुत पहले लोग कुछ नहीं जानते थे। उन्हें फ़सल उगाना, कपड़ा बुनना और लोहे के औज़ार बनाना नहीं आता था। आकाश में रहने वाले भगवान न्यामे के पास दुनिया का सारा ज्ञान था, जिसे उन्होंने एक मिट्टी के बर्तन में संभाल कर सुरक्षित रखा था।

...

Long long ago people didn't know anything. They didn't know how to plant crops, or how to weave cloth, or how to make iron tools. The god Nyame up in the sky had all the wisdom of the world. He kept it safe in a clay pot.



बर्तन टूटकर ज़मीन पर बिखर गया। अब ज्ञान सब लोगों में बँटने के लिए आज़ाद हो गया था और इस तरह ज्ञान हो जाने पर लोगों ने फ़सल उगाने, कपड़ा बुनने, लोहे के औज़ार बनाने के साथ साथ बाकी वे सारी चीज़ें सीखीं जो लोग अब करना जानते हैं।

...

It smashed into pieces on the ground. The wisdom was free for everyone to share. And that is how people learned to farm, to weave cloth, to make iron tools, and all the other things that people know how to do.

एक दिन, न्यामे ने निर्णय लिया कि वो अपने ज्ञान का बर्तन अनास्ती को दे देगे। दूर दूर भी अनास्ती बर्तन में देखता तो कुछ न कुछ नया सीखता। ये बहुत ही रोमांचक था।

...

One day, Nyame decided that he would give the pot of wisdom to Anansi. Every time Anansi looked in the clay pot, he learned something new. It was so exciting!



बहुत ही जल्द वो पेंड के ऊपर पहुँच गया। लेकिन फिर, उसने कककर सोचा, "सारा ज्ञान तो मेरे पास है फिर भी मेरा बेटा मुझे ख्यादा ही छोरा छोरा है।" ऐसा विचार आते ही अनास्ती डटना की डटना गिस्ता आया कि गिस्त में उसने मिट्टी के उस बर्तन को पेंड से नीचे फेंक दिया।

...

In no time he reached the top of the tree. But then he stopped and thought, "I'm supposed to be the one with all the wisdom, and here my son was cleverer than me!" Anansi was so angry about this that he threw the clay pot down out of the tree.





लालची अनान्सी ने सोचा, “मैं बर्तन को एक लम्बे पेड़ के ऊपर सुरक्षित रख दूंगा, ताकि केवल मैं ही इसका उपयोग कर सकूँ।” उसने एक लम्बा धागा बुनकर बर्तन के चारों ओर लपेट दिया और उसे अपने पेट से बाँध लिया। फिर उसने पेड़ पर चढ़ना शुरू किया। लेकिन पेड़ पर चढ़ना मुश्किल था क्योंकि बर्तन बार-बार उसके घुटनों से टकरा रहा था।

...

Greedy Anansi thought, “I’ll keep the pot safe at the top of a tall tree. Then I can have it all to myself!” He spun a long thread, wound it round the clay pot, and tied it to his stomach. He began to climb the tree. But it was hard climbing the tree with the pot bumping him in the knees all the time.



पूरे समय अनान्सी का छोटा बेटा पेड़ के नीचे खड़ा उसे देखता रहा। उसने कहा, “अगर आप बर्तन को पीछे से अपनी पीठ पर बाँध लोगे तो चढ़ना आसान नहीं हो जाएगा क्या?” उसकी बात सुनकर अनान्सी ने ज्ञान से भरे बर्तन को अपनी पीठ से बाँध कर देखा जिससे उसे चढ़ाना वास्तव में बहुत आसान हो गया।

...

All the time Anansi’s young son had been standing at the bottom of the tree watching. He said, “Wouldn’t it be easier to climb if you tied the pot to your back instead?” Anansi tried tying the clay pot full of wisdom to his back, and it really was a lot easier.